"अगर जांच हुई तो करोड़ों की कर चोरी का रहस्य खुलेगा" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार

1045. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिल्ली से प्रकाशित दिनांक 8 सितम्बर, 1985 के साप्ताहिक "पांचजन्य" में "अगर जांच हुई तो करोड़ों की कर चोरी का रहस्य खुलेगा" शीर्षक के अंतर्गत छपे समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस समाचार के आधार पर क्या कार्यवाही की गई है और इस कार्यवाही के क्या परिणाम निकले हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) जी, हां इससे पहले मिली सूचना के आधार पर सरकार को इस मामले की पहले से जानकारी है ।

(ख) और (ग) इस समूह के सभी मामलों की गहराई से तथा समन्वित जांच करने के लिए उन्हें केन्द्रीकृत कर दिया गया है ।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मिलें

1046. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय वस्त्र निगम द्वारा मध्य प्रदेश में चलायी जा रही कपड़ा मिलों की संख्या कितनी है ;

(ख) उक्त मिलों में से कितनी कपड़ा मिलें घाटे में चल रही हैं और घाटे में चलने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि इन्दौर की स्वदेशी मिल सहित राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मध्य प्रदेश स्थित सभी मिलों के प्रबन्धकों की अनियमितताओं के कारण करोड़ों रुपये का घाटा हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इस मामले की जांच कराने का विचार रखती है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खान : (क) मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत 7 वस्त्र मिलें हैं ।

(ख) सभी सात मिलों को 1984–85 में हानियां हुई । अप्रैल से सितम्बर, 1985 के दौरान 3 मिलों को हानियां हुई ।

राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत मिलों में लगातार हानियों के प्रमुख कारण निम्नोक्त प्रकार हैं :—

(1) पुरानी तथा अप्रचलित मशीनें;

(2) अनियमित बिजली सप्लाई तथा बिजली की कमी कैप्टिव पावर की ऊंची लागत आदि के कारण संस्थापित क्षमता का कम उपयोग;

(3) रूई की कीमतों में असामान्य वृद्धि विशेष रूप से 1980–81 के मध्य से 1984–85 तक;

(4) बिजली, कोयला, डाइयों तथा रसायनों, स्टोरों तथा अतिरिक्त पुर्जों की लागत में वृद्धि ;

(5) अधिक श्रमिक बल ;

(6) मजदूरियों/वेतनों में वृद्धि ;

(7) कार्य के कम मानदण्ड तथा कम उत्पादकता

(ग) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।